

सूचना

संख्या : एबी-सीएसआईआर0एचआरडीजी(ओटी)/11/2024-एडमिन-एचआरडीजी

दिनांक: 13-01- 2026

विषय: संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी-डीबीटी जेआरएफ-नेट परीक्षा का परिचय, दिसंबर 2026 चक्र से लागू किया जाना प्रस्तावित है – पृष्ठभूमि, चिंताएँ और स्पष्टीकरण

जैविक विज्ञान के क्षेत्र में जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) एवं लेक्चरशिप हेतु एकल, एकीकृत राष्ट्रीय-स्तरीय पात्रता परीक्षा स्थापित करने के उद्देश्य से सीएसआईआर-नेट (जीव विज्ञान) और डीबीटी-बीईटी (जैव प्रौद्योगिकी) परीक्षाओं तथा उनके पाठ्यक्रम का विलय करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है।

यह संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी-डीबीटी जेआरएफ/नेट की परीक्षा दिसंबर 2026 के परीक्षा चक्र से लागू किया जाना प्रस्तावित है।

इस एकीकरण का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय परीक्षा के ढांचे को सुव्यवस्थित करना, परीक्षाओं में दोहराव को समाप्त करना तथा समकालीन जैविक अनुसंधान एवं विकास की बढ़ती अंतर्विषयक प्रकृति को प्रतिबिंबित करने वाली एक सुसंगत एवं प्रभावी मूल्यांकन प्रणाली का निर्माण करना है।

प्रारंभिक चर्चाओं एवं हितधारकों के साथ परामर्श के दौरान विद्यार्थियों एवं अभ्यर्थियों द्वारा कई मुख्य चिंताओं को रेखांकित किया गया, जिनकी एकीकृत परीक्षा प्रणाली में सुचारु एवं न्यायसंगत संक्रमण सुनिश्चित करने हेतु ध्यानपूर्वक समीक्षा की गई। हितधारकों द्वारा व्यक्त की गई मुख्य चिंताएँ निम्नलिखित हैं :

1. **सीटों की कुल संख्या में कमी:** यह आशंका जताई गई कि विलय के कारण फेलोशिप की कुल संख्या में संभावित कमी आ सकती है जिससे योग्य उम्मीदवारों के लिए अवसर सीमित हो सकते हैं।
2. **जीव विज्ञान के छात्रों के लिए शैक्षणिक जटिलता के स्तर में बढ़त:** पारंपरिक जीव विज्ञान के क्षेत्र से आने वाले छात्रों ने यह चिंता व्यक्त की है कि जैव-प्रौद्योगिकी से संबंधित विषयों को शामिल किए जाने से परीक्षा की कठिनाई का स्तर बढ़ सकता है, जिसका उनके प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।
3. **जैव प्रौद्योगिकी के छात्रों के लिए प्रतिस्पर्धा के स्तर में बढ़त:** जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र के छात्रों ने यह चिंता व्यक्त की है कि जीव विज्ञान के छात्रों सहित व्यापक अभ्यर्थी समूह के शामिल होने से प्रतिस्पर्धा का स्तर और अधिक बढ़ सकता है।

समुचित विचार-विमर्श के उपरान्त निम्नलिखित स्पष्टीकरण एवं उपाय अभिलेख पर प्रस्तुत किए जाते हैं:

1. **सीटों की संख्या पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा:** यह स्पष्ट किया जाता है कि पाठ्यक्रम के कारण फेलोशिप की कुल संख्या पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। सीएसआईआर एवं डीबीटी की वर्तमान प्रक्रिया के अनुसार फेलोशिप प्रदान करना जारी रखेंगे और केवल चयन प्रक्रिया एक सामान्य परीक्षा के माध्यम से की जाएगी।
2. **संतुलित प्रश्नपत्र संरचना:** विलयित परीक्षा में पारंपरिक जीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी, दोनों क्षेत्रों को समाहित करते हुए पर्याप्त वैकल्पिक प्रश्न शामिल किए जाएंगे। परीक्षा पैटर्न इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों से आने वाले अभ्यर्थियों को अपने-अपने विशेषज्ञता क्षेत्रों से पर्याप्त संख्या में प्रश्न हल करने के

समान अवसर प्राप्त हों।

3. **निष्पक्ष एवं समावेशी मूल्यांकन:** प्रश्नपत्र तथा मूल्यांकन प्रक्रिया का इस प्रकार अभिकल्प किया जाएगा कि संकीर्ण एवं अत्यधिक विशिष्ट विषय-ज्ञान के स्थान पर **व्यापक एवं मूलभूत अवधारणाओं की वैचारिक समझ, विश्लेषणात्मक क्षमता तथा अनुसंधान अभिरुचि** का आकलन किया जा सके। इसके अतिरिक्त, यह नया पैटर्न सभी अभ्यर्थियों के लिए एक निष्पक्ष एवं समावेशी मूल्यांकन ढांचा सुनिश्चित करेगा तथा परीक्षा प्रक्रिया में अनावश्यक दोहराव को भी कम करेगा।

इसके अतिरिक्त, यह सूचित किया जाता है कि **संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी-डीबीटी-जेआरएफ नेट परीक्षा** में सफल होने वाले **जैव प्रौद्योगिकी** अभ्यर्थी अब सभी तीन श्रेणियों के लिए पात्र होंगे (श्रेणी 1 – जेआरएफ प्रदान करना और सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति, श्रेणी 2 – सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति और पीएच.डी. में प्रवेश, तथा श्रेणी 3 – केवल पीएच.डी. में प्रवेश), जैसा कि दिशानिर्देशों में उल्लेखित है, जबकि पूर्व में डीबीटी-बीईटी के मामले में ऐसा नहीं था।

सीएसआईआर-नेट और डीबीटी-बीईटी परीक्षाओं का विलय जैविक विज्ञान में अंतर्विषयक अनुसंधान की गतिशील वृद्धि के परिप्रेक्ष्य में अनुसंधान क्षमता के मूल्यांकन के लिए एक एकीकृत और प्रभावी प्रणाली के निर्माण की ओर एक अनूठा कदम है। उपरोक्त उपायों के लागू होने से सभी हितधारकों—विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और शैक्षणिक संस्थानों—के हित सुरक्षित रहेंगे, साथ ही अंतर्विषयक अध्ययन को प्रोत्साहन मिलेगा और नई पीढ़ी के शोधकर्ताओं के लिए उत्कृष्टता को बढ़ावा मिलेगा।